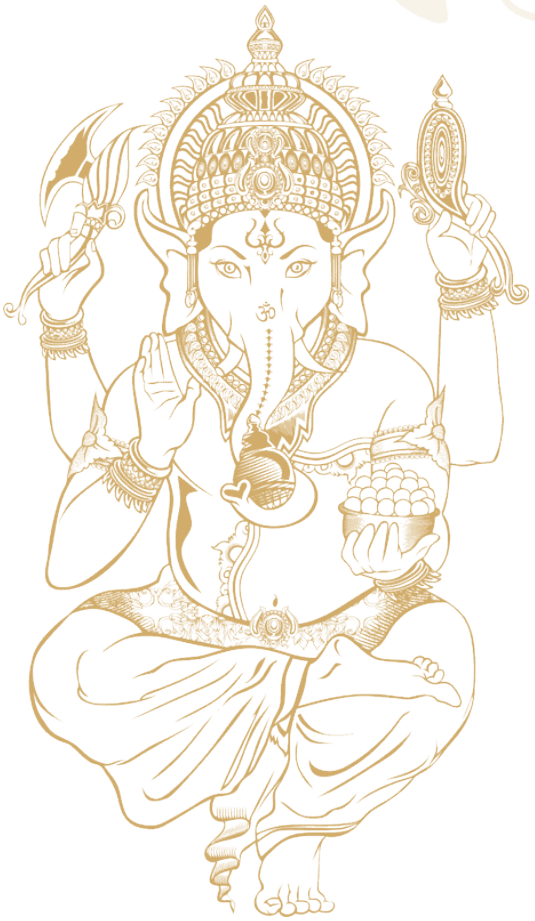

Mr AJEET TRIPATHI

19 Dec 1997

01:05 AM

Dehri on Sohne

Model: web-freekundliweb

Order No: 121499903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/12/1997**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:05:00 घंटे**
इष्ट	46:21:52 घटी
स्थान	**Dehri on Sohne**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:55:00 उत्तर
रेखांश	84:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:11:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	07:01:32 घंटे
सूर्योदय	06:32:15 घंटे
सूर्यास्त	17:07:33 घंटे
दिनमान	10:35:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	03:05:45 धनु
लग्न के अंश	20:06:13 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	20:06:13	325:45:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
सूर्य			धनु	03:05:45	01:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	29:23:27	12:12:29	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	स्वराशि
मंगल			मक	06:35:42	00:46:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	29:32:40	01:20:17	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			मक	25:47:56	00:11:19	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			मक	08:51:13	00:18:06	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	19:42:44	00:00:16	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	19:49:10	00:02:51	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	19:49:10	00:02:51	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			मक	12:37:03	00:02:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	04:39:15	00:02:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	12:27:45	00:02:15	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	20:20:20	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:38

लग्न-चलित

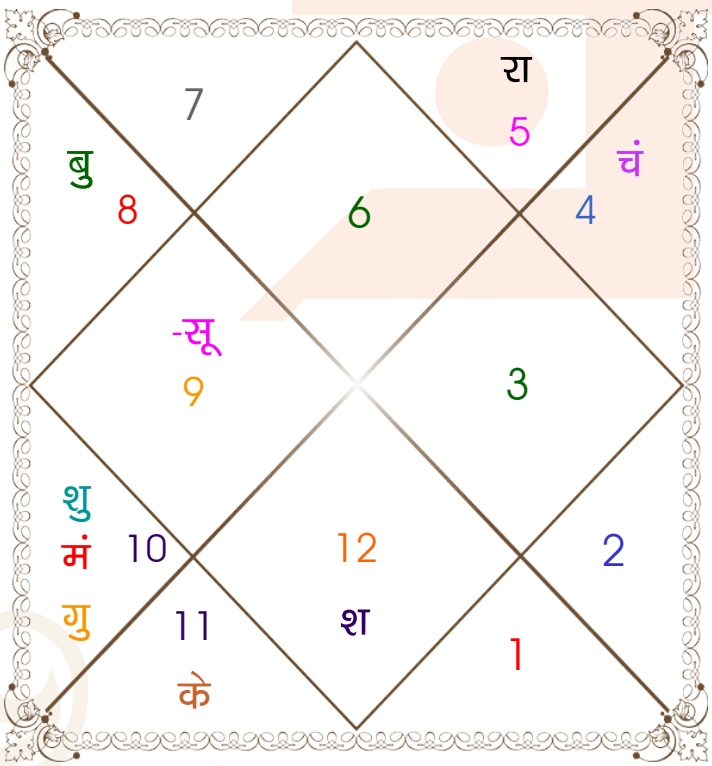

चन्द्र कुंडली

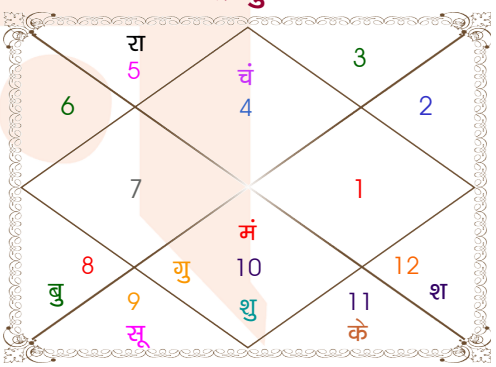

नवमांश कुंडली

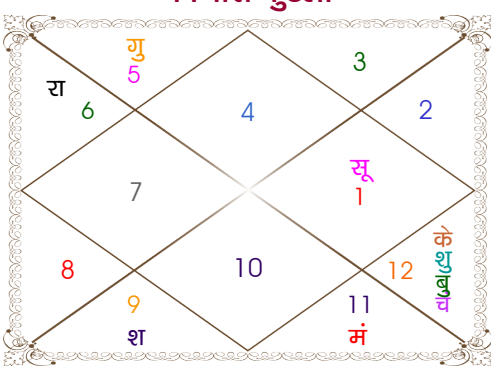

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 9 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/12/1997		28/09/1998		28/09/2005		28/09/2025		29/09/2031	
28/09/1998		28/09/2005		28/09/2025		29/09/2031		28/09/2041	
	00/00/0000	केतु	24/02/1999	शुक्र	28/01/2009	सूर्य	16/01/2026	चंद्र	29/07/2032
	00/00/0000	शुक्र	26/04/2000	सूर्य	28/01/2010	चंद्र	17/07/2026	मंगल	27/02/2033
	00/00/0000	सूर्य	31/08/2000	चंद्र	29/09/2011	मंगल	22/11/2026	राहु	29/08/2034
	00/00/0000	चंद्र	01/04/2001	मंगल	28/11/2012	राहु	17/10/2027	गुरु	29/12/2035
	00/00/0000	मंगल	29/08/2001	राहु	28/11/2015	गुरु	04/08/2028	शनि	29/07/2037
	00/00/0000	राहु	16/09/2002	गुरु	29/07/2018	शनि	17/07/2029	बुध	29/12/2038
	00/00/0000	गुरु	23/08/2003	शनि	28/09/2021	बुध	23/05/2030	केतु	30/07/2039
	19/12/1997	शनि	01/10/2004	बुध	29/07/2024	केतु	28/09/2030	शुक्र	29/03/2041
शनि	28/09/1998	बुध	28/09/2005	केतु	28/09/2025	शुक्र	29/09/2031	सूर्य	28/09/2041

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/09/2041		28/09/2048		28/09/2066		28/09/2082		29/09/2101	
28/09/2048		28/09/2066		28/09/2082		29/09/2101		20/12/2117	
मंगल	24/02/2042	राहु	11/06/2051	गुरु	15/11/2068	शनि	01/10/2085	बुध	26/02/2104
राहु	15/03/2043	गुरु	04/11/2053	शनि	30/05/2071	बुध	10/06/2088	केतु	22/02/2105
गुरु	19/02/2044	शनि	10/09/2056	बुध	04/09/2073	केतु	20/07/2089	शुक्र	24/12/2107
शनि	29/03/2045	बुध	30/03/2059	केतु	11/08/2074	शुक्र	19/09/2092	सूर्य	29/10/2108
बुध	27/03/2046	केतु	16/04/2060	शुक्र	11/04/2077	सूर्य	01/09/2093	चंद्र	31/03/2110
केतु	23/08/2046	शुक्र	17/04/2063	सूर्य	28/01/2078	चंद्र	02/04/2095	मंगल	28/03/2111
शुक्र	23/10/2047	सूर्य	11/03/2064	चंद्र	30/05/2079	मंगल	11/05/2096	राहु	14/10/2113
सूर्य	28/02/2048	चंद्र	10/09/2065	मंगल	05/05/2080	राहु	18/03/2099	गुरु	20/01/2116
चंद्र	28/09/2048	मंगल	28/09/2066	राहु	28/09/2082	गुरु	29/09/2101	शनि	20/12/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।